LATEST

NEWS

Election

Date: 30th Apr. 2026

Office of Chief Electoral Officer Rajasthan

https:/election.rajasthan.gov.in/

Follow us on:

CEORAJASTHAN

हेल्पलाइन 1950

दैनिक भास्कर जयपुर 30-04-2026

विधानसभा चुनाव 2026 ऐतिहासिक मतदान

ईवीएम से छेड़छाड़ः 77 बूथ पर दो मई से पहले दोबारा मतदान की संभावना

भास्कर न्यूज़ | कोलकाता

पश्चिम बंगाल में ईवीएम से छेड़छाड़ के कुल 77 मामले सामने आए हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल के अनुसार इसके चलते प्रभावित केंद्रों पर 2 मई से पहले दोबारा मतदान होने की संभावना है।

वहीं, 37 साल बाद पहली बार ऐसा हुआ जब सीएम ममता बनर्जी विधानसभा चुनाव के दिन सुबह से ही बूथों पर सक्रिय दिखीं। उनकी ऐसी सक्रियता आखिरी बार 1989 दिखी थी, जब वह जादवपुर लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रही थीं। आमतौर पर वे दोपहर के बाद इक्का-दुक्का बूथों पर जाती रही हैं।

एग्जिट पोल बदलाव का इशारा कर रहाः शुभेंदु

भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने एग्जिट पोल को बदलाव का इशारा बताया है। उन्होंने कहा, मैं आपको जमीनी स्तर का एग्जिट पोल बता रहा हूं। भाजपा 180 से अधिक सीटें जीत रही है और पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। इस बार हिंदुओं ने स्वतंत्र रूप से अपना वोट डाला है और मतदान का यह स्तर राज्य में एक निर्णायक बदलाव की ओर इशारा कर रहा है।

पोल के अनुमान भाजपा की चालः अभिषेक बनर्जी

तृणमूल के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी ने कहा, भाजपा के ये एग्जिट पोल 2021 और 2024 में गलत साबित हो चुके हैं। वे दबाव बनाने के लिए ऐसी ट्रिक्स का इस्तेमाल करते हैं, पर इससे परिणाम पर कोई फर्क नहीं पड़ेगा। हमने पहले चरण में ही 100 का आंकड़ा पार कर लिया था और 4 मई को जब नतीजे आएंगे, तो भाजपा की संख्या बहुत नीचे गिर जाएगी।

भवानीपुरः ममता और शुभेंदु के बीच टकराव

▪ भवानीपुर के चक्रबेरिया में बुधवार सुबह ममता बनर्जी अपनी परंपरा तोड़कर सुबह 8 बजे ही सड़क पर उतर आईं और कार्यकर्ताओं को डराने-धमकाने के विरोध में एक पार्टी कार्यालय के बरामदे में बैठ गईं। वे केंद्रीय बलों द्वारा मंत्री फिरहाद हकीम और स्थानीय पार्षद के घर रात में जाकर महिलाओं को डराने की घटनाओं से बेहद नाराज थीं और उन्होंने मीडिया को इसके वीडियो साक्ष्य भी दिखाए।

▪ इसी दौरान उनके प्रतिद्वंद्वी शुभेंदु अधिकारी भी भारी सुरक्षा के साथ वहां पहुंच गए, जिससे क्षेत्र में भारी तनाव पैदा हो गया। ममता बनर्जी ने चुनाव पर्यवेक्षकों पर भाजपा के पक्ष में काम करने का गंभीर आरोप लगाते हुए इसे लोकतंत्र की हत्या करार दिया।

आरजी कर पीड़िता की मां का विरोध

▪ कोलकाता के एंटली में भाजपा उम्मीदवार प्रियंका टिबरेवाल ने आरोप लगाया कि तृणमूल एजेंटों ने उनके साथ मारपीट की कोशिश की।

▪ पानीहाटी में आरजी कर पीड़िता की मां और भाजपा उम्मीदवार को विरोध का सामना करना पड़ा।

▪ बसंती में भाजपा उम्मीदवार विकास सरदार के वाहन पर हमले और ड्राइवर से मारपीट की खबर।

▪ हावड़ा व पूर्व बर्धमान में टीएमसी ने केंद्रीय बलों पर महिलाओं के साथ बर्बरता का आरोप लगाया।

▪ फाल्टा के बेलसिंह में भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया गया। इसमें कई महिलाए घायल हुईं। सतगाछिया विधानसभा क्षेत्र में भी एक बच्चे के सिर में चोट लगने की खबर है।

▪ टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने आरोप लगाया कि दक्षिण 24 परगना जिले में केंद्रीय सुरक्षा बलों ने महिलाओं और बच्चों पर लाठीचार्ज किया।

तनाव के बीच खुशनुमा पल.... तृणमूल कैंप में पानी पीते दिखे शुभेंदु

▪ नादिया जिले की नवद्वीप सीट से भाजपा उम्मीदवार श्रुति शेखर गोस्वामी ने एक अनूठी मिसाल पेश की। वे अपने प्रतिद्वंद्वी दल टीएमसी के पोलिंग कैंप में गए और वहां कार्यकर्ताओं के साथ सौहार्दपूर्ण बातचीत की।

▪ शुभेंदु अधिकारी का वीडियो चर्चा में रहा। इसमें वे तृणमूल के झंडों से सजे एक कैंप के पास रुककर पानी पीते दिखे। शुभेंदु ने बताया कि टीएमसी कार्यकर्ताओं ने उन्हें पानी की पेशकश की, जिसे उन्होंने स्वीकार कर लिया।

दैनिक भास्कर जयपुर 30-04-2026

ऐतिहासिक वोटिंग

बंगाल में 92.47% वोटिंग, जो अब तक का सर्वाधिक

नई दिल्ली | पश्चिम बंगाल में बुधवार को दूसरे चरण में 142 सीटों पर रिकॉर्ड 91.66% मतदान हुआ। 2021 में 81% वोट पड़े थे। इसी तरह, 23 अप्रैल को पहले चरण की 152 सीटों पर भी ऐतिहासिक रूप से 93.19% मतदान हुआ था। इस तरह बंगाल में सभी 294 सीटों पर कुल 92.47% वोट पड़े। इससे पहले 2011 में सबसे ज्यादा 84.72% मतदान हुआ था। महिलाओं (92.28%) ने इस बार भी पुरुषों से (91.07%) ज्यादा वोट डाले। इस बार चुनावी हिंसा में एक भी मौत नहीं हुई। 2021 में 24 तो 2016 में 7 की मौत हिंसा में हुई थी।

जयपुर 30-04-2026

5 राज्यों के विधानसभा चुनाव 2026

दैनिक भास्कर

सच्ची बात, बेधड़क

जयपुर, राजस्थान, गुरुवार, 30 अप्रैल, 2026
वैशाख, शुक्ल पक्ष-14, 2083

वर्ष 30, अंक 130, महानगर
12 राज्य, 61 संस्करण

पोल ऑफ पोल्स

7 एजेंसियों के एग्जिट पोल का निचोड़

दावा है कि बंगाल में पहली बार भाजपा बहुमत पाने जा रही है। तमिलनाडु में द्रमुक व असम में भाजपा सत्ता में वापसी करेगी। केरल में कांग्रेस सरकार बनाती दिख रही।

प. बंगाल (कुल सीटें 294, बहुमत 148)
154 भाजपा | टीएमसी 132 | अन्य 08

तमिलनाडु (कुल सीटें 234, बहुमत 118)
138 द्रमुक+ | अन्नाद्रमुक+ 68 | टीवीके 28

केरल (कुल सीटें 140, बहुमत 71)
79 कांग्रेस+ | एलडीएफ 58 | भाजपा+ 03

असम (कुल सीटें 126, बहुमत 64)
92 भाजपा+ | कांग्रेस+ 28 | अन्य 6

एग्जिट पोल; 6 में से 5 कह रहे- बंगाल में भाजपा को बहुमत

असल नतीजे 4 मई को

भास्कर न्यूज | नई दिल्ली

बंगाल चुनाव के दूसरे और आखिरी चरण की वोटिंग होते ही शाम 6.30 बजे एग्जिट पोल आ गए। इसके मुताबिक, बंगाल में ममता की टीएमसी को झटका देते हुए भाजपा इतिहास रचने जा रही है। 6 एजेंसियों के पोल ऑफ पोल्स में भाजपा को 154 और टीएमसी को 132 सीटें मिल सकती हैं। ऐसा हुआ, तो भाजपा पहली बार बंगाल जीतेगी। बहुमत के लिए 148 का आंकड़ा चाहिए। केरल में कांग्रेस के लिए खुशखबर है। उसे 79 सीटें मिले सकती हैं। असम में सीएम हिमंता और तमिलनाडु में स्टालिन वापसी करते दिख रहे हैं। हालांकि, असली नतीजे 4 मई को आएंगे।

दावा... तमिलनाडु में द्रमुक और असम में भाजपा की फिर सत्ता में वापसी, केरल में कांग्रेस का दबदबा

	पश्चिम बंगाल			तमिलनाडु			केरल			असम		
	भाजपा	टीएमसी	अन्य	द्रमुक+	अन्नाद्रमुक+	टीवीके	कांग्रेस+	एलडीएफ	भाजपा	भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
चाणक्य	150-160	130-140	6-10	145-160	50-65	18-26	72-80	58-64	3-7	88-98	22-32	3-5
मैट्राइज	146-161	125-140	6-10	122-132	87-110	10-12	75-85	60-65	3-5	85-95	25-32	6-12
पी-मार्क	150-175	118-138	2-6	125-145	65-85	16-26	71-79	62-69	1-4	82-94	30-40	1-5
एक्सिस	-	-	-	92-110	22-32	98-120	78-90	49-62	0-3	88-100	24-36	0
प्रजा पोल	178-208	85-110	0-5	148-168	61-81	1-9	-	-	-	86-101	15-26	3-7
पोल डायरी	142-171	99-127	5-9	148-168	61-81	1-9						
पीपुल्स पल्स	95-110	178-189	1-4	125-145	65-80	18-24						

पुदुचेरी (सीटें 30, बहुमत 16)

- एक्सिस के पोल के अनुसार, पुदुचेरी में भाजपा+ को 16-20 और कांग्रेस+ को 6 से 8 सीटें मिल सकती हैं। प्रजा पोल का दावा- भाजपा+ को 19-25, कांग्रेस+ को 6-8 सीटें मिलेंगी।

चौंकाने वाले अनुमान... टीवीके को 120 सीटें

- इन 7 एजेंसियों के एग्जिट पोल का विश्लेषण करें तो 5 एजेंसियों के आंकड़े तो लगभग आसपास हैं, लेकिन दो के बेहद चौंकाने वाले हैं। **एक्सिस माय इंडिया** ने तमिलनाडु में अभिनेता विजय की नई पार्टी टीवीके को 98-120 सीटें मिलने का दावा किया है। जबकि बाकी कोई भी एजेंसी टीवीके को 26 से ज्यादा सीटें नहीं दे रही। **पीपुल्स पल्स** इकलौती एजेंसी है, जो बंगाल में टीएमसी को प्रचंड बहुमत का दावा कर रही, बाकी भाजपा को बहुमत दे रही हैं।

एग्जिट पोल्स 2021 का सच

प. बंगाल
2021 के असल नतीजे
भाजपा 77
टीएमसी 215
2021 का एग्जिट पोल
भाजपा 129
टीएमसी 160
- 4 में से एक भी पोल सटीक नहीं निकला था।

तमिलनाडु
2021 के असल नतीजे
द्रमुक 133
अन्नाद्रमुक 66
2021 का एग्जिट पोल
द्रमुक 175
अन्नाद्रमुक 55
- चाणक्य और एक्सिस के दावे सबसे करीब थे।

केरल
2021 के असल नतीजे
लेफ्ट+ 99
कांग्रेस+ 41
2021 का एग्जिट पोल
लेफ्ट+ 100+
कांग्रेस+ 35
- चाणक्य, एक्सिस के दावे यहां भी करीब थे।

असम
2021 के असल नतीजे
भाजपा+ 75
कांग्रेस+ 49
2021 का एग्जिट पोल
भाजपा+ 76
कांग्रेस+ 49
- 4 में से 3 के अनुमान लगभग सही निकले थे।

पत्रिका

जिसने अब तक सुधारों का विरोध किया है। यह फैसला
भर के कानून के रखवालों को स्पष्ट चेतावनी है कि कानून से

मजबूत अर्थव्यवस्था और सम्मानित लोकतंत्र बनना है, तो इस
प्रवृत्ति को हर हाल में समाप्त करना होगा।

हेल्थ-सेंसर और डिजिटल भाषाई प्लेटफॉर्म को हर गांव
और गली तक पहुंचाए। भारत को अपनी सांस्कृतिक

की सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था
बनकर उभरेगा।

पत्रिका लोकतंत्र का उत्सव **विधानसभा चुनाव 2026**

'तो इस्तीफा देने का साहस दिखाएं'

4 मई को जब ममता बनर्जी और तृणमूल कांग्रेस बंगाल में जीत हासिल करे तो मोदी प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देने का साहस दिखाएं।
- डेरेक ओ ब्रायन, *टीएमसी सांसद*

जिम्मेदारी व निर्वहन: चुनाव के अंतिम चरण में भी दिखा उत्साह

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के अंतिम चरण के दौरान कोलकाता में इस्कॉन के सदस्य भजन गाते हुए। कोलकाता में जय हिंद भवन के सामने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करता सुरक्षा बल। हावड़ा के उदयनारायणपुर विधानसभा क्षेत्र में वोट डालने से पहले अपना मोबाइल फोन जमा कराता मतदाता। भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में मतदान केंद्र का दौरा करते हुए। मतदान करने के बाद तृणमूल कांग्रेस सांसद महुआ मोइत्रा, तृणमूल कांग्रेस के महासचिव अभिषेक बनर्जी, सांसद सायोनी घोष, पूर्व भारतीय क्रिकेटर सौरव गांगुली पत्नी डोना गांगुली के साथ। पूर्व बर्धमान में मतदान के लिए एक बुजुर्ग मतदाता को सीएपीएफ जवान गोद में ले जाते हुए।

पश्चिम बंगाल चुनाव: एकतरफा की बजाय करीबी मुकाबले की ओर इशारा

बंपर वोटिंग से हर कोई हैरान, मुकाबला बेहद कड़ा, टीएमसी का किला अटूट रहेगा या ढहेगा?

रवीन्द्र रॉय
patrika.com

कोलकाता. छिटपुट हिंसा के बीच पश्चिम बंगाल विधानसभा का चुनाव दो चरणों में संपन्न हो गया। पहले चरण की तरह दूसरे चरण में भी बंपर मतदान प्रतिशत चर्चा का विषय बन गया है। इसने सभी को हैरानी में डाल दिया है। बड़ा सवाल यह है कि क्या चौथी बार सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस सत्ता में वापसी करेगी या लगभग डेढ़ दशक की सत्ता के बाद पैदा हुआ असंतोष इस बार बदलाव की कहानी लिखेगा। बेरोजगारी, भर्ती घोटालों व प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर सवाल तो उठे, पर ये सत्ता विरोधी लहर का रूप लेते नहीं दिखे। यही वजह है कि चुनाव एकतरफा की बजाय करीबी मुकाबले की ओर इशारा कर रहा है। भाजपा नेता भारी मतदान से खुद ही अनुमान लगा लेने की बात कह रहे हैं।

प. बंगाल की मुख्यमंत्री और भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार ममता बनर्जी बुधवार को कोलकाता में मतदान केंद्र पर वोट डालने के बाद विजय चिह्न दिखाती हुईं।

पश्चिम बंगाल : यों चढ़ा मतदान का ग्राफ

क्या कहते विश्लेषक: सिर्फ सत्ता विरोधी लहर किसी भी चुनाव में जीत की गारंटी नहीं होती, विपक्ष को मजबूत संगठन, विश्वसनीय नेतृत्व और स्थानीय मुद्दों पर पकड़ भी दिखानी होती है। अभी कहना जल्दबाजी होगा कि ममता दीदी लगातार चौथी बार सत्ता की बागडोर संभालेंगी या भाजपा पहली बार राज्य में जीत का स्वाद चखेगी।

चुनावी विमर्श रहा एसआइआर: इस बार एसआइआर विवाद चुनावी चर्चा का नया केंद्र रहा। इसने चुनाव को विकास बनाम भ्रष्टाचार से हटाकर भावनात्मक और पहचान आधारित राजनीति की दिशा में मोड़ दिया। राज्य की राजनीति एक तरह से दिलचस्प मोड़ पर खड़ी नजर आई।

केवल मुद्दे नहीं, बल्कि धारणा ज्यादा मायने: टीएमसी की सबसे बड़ी ताकत उसकी कल्याणकारी योजनाएं मानी जा रही हैं, जिनसे पार्टी ने वोट बैंक को भुनाने की कोशिश की। वहीं पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने भ्रष्टाचार, कानून-व्यवस्था और शासन की खामियों को मुद्दा बनाया।

तमिलनाडु

85 फीसदी मतदान के बाद बड़ा सवाल, क्या 'स्टारडम' द्रविड़ दलों पर भारी पड़ेगा?

पी. एस. विजयराघवन
patrika.com

चेन्नई. तमिलनाडु में इस बार 234 सीटों पर विधानसभा चुनाव का मुकाबला बड़ा रोचक रहा। चार हजार से अधिक प्रत्याशियों की किस्मत 4.85 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने तय कर दी है, जिन्होंने 23 अप्रेल को मताधिकार का प्रयोग किया था। पूरे चुनावी माहौल का विश्लेषण करें तो इसके विभिन्न पड़ाव रहे। इसकी शुरुआत अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके की स्थापना और उसकी चुनावी रैलियों से हुई। सितंबर 2025 में विजय की करूर रैली में भगदड़ और 41 जनों की मौतों ने एक काला अध्याय जोड़ा। उसके बाद के विविध घटनाक्रमों के बाद शांतिपूर्ण तरीके से विस चुनाव हुए। गठबंधनों के समीकरण, वोटों और सीटों की गणित समझने और साझा करने के बाद भी विश्लेषक विजय के 'ट्रेंड' को अभी भी पूरी तरह से ना तो समझ पा रहे हैं और न ही सुलझा पा रहे हैं। मतदान की पूर्व संध्या से लेकर मतगणना की उलटी गिनती शुरू होने तक केवल विजय की चर्चा ही सुनाई पड़ रही है कि ऊंट किस करवट बैठेगा?

राजनेताओं, आमजन, प्रशासक व खुफिया एजेंसियों की अपनी-अपनी राय हैं। मगर इन सभी के केंद्र में 'विजय' ही हैं। इन सभी का अनुमान है कि विजय अच्छा-खासा वोट शेयर लेंगे। चुनाव से पहले सभी उनको 'स्पॉइलर' मान रहे थे। लेकिन उनकी वजह से द्रविड़ दलों को कितना नुकसान पहुंचा? क्या वे सत्तारूढ़ डीएमके को इतनी क्षति पहुंचा पाएंगे कि उसे बहुमत नहीं मिले? क्या उनकी वजह से सरकार विरोधी वोट जो एआइएडीएमके गठबंधन को जाने चाहिए थे, उनमें भी सेंधमारी हुई? क्या दलितों, मुस्लिम व ईसाई वोटर्स ने परिवर्तन के रूप में विजय को बतौर विकल्प चुना है? क्या महिलाओं को सीएम एमके स्टालिन की योजनाओं की तुलना में 'स्टारडम' वाले विजय पर ज्यादा विश्वास है? ऐसे अनगिनत सवालों का जवाब चार मई को मिल जाएगा।

फिलहाल, राजनेताओं की सुगबुगाहट वाले समाचार सुर्खियों में हैं। प्रमुख दलों के प्रत्याशी अपने निर्वाचन क्षेत्र में पूरी तरह डटे हुए हैं ताकि कोई गड़बड़ होने की आशंका नहीं हो। वहीं, सीएम स्टालिन का परिवार पर्यटन पर है तो विजय तीर्थाटन पर हैं। प्रमुख प्रतिपक्षी दल एआइएडीएमके व भाजपा की ओर से पूरी तरह शांति दिखाई दे रही है। लेकिन यह तय मान सकते हैं कि विस चुनाव परिणाम राज्य के सियासी इतिहास में बड़ा बदलाव लाएगा।

पत्रिका

एग्जिट पोल तमिलनाडु में स्टालिन की वापसी का संकेत, असली नतीजे चार मई को

असम में भाजपा, केरल में कांग्रेस, बंगाल में कड़े मुकाबले का अनुमान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

नई दिल्ली. देश के पांच प्रदेशों के विधानसभा चुनाव के लिए मतदान समाप्त होने के बाद बुधवार को विभिन्न एजेंसियों की ओर से एग्जिट पोल अनुमान जारी किए गए। असली चुनाव परिणाम चार मई को मतगणना के बाद जारी होंगे लेकिन अधिकतर एग्जिट पोल के अनुमानों में असम में लगातार तीसरी बार भाजपा की सरकार बनने की संभावना बताई गई है जबकि केरल में 10 साल बाद वामपंथी एलडीएफ गठबंधन को हटाकर कांग्रेसनीत यूडीएफ की सरकार बनने का अनुमान है।

इस बार पश्चिम बंगाल के चुनाव पर लोगों की सबसे ज्यादा नजर है। रेकॉर्ड तोड़ मतदान के बाद बंगाल में एग्जिट पोल के अनुमानों में भाजपा व टीएमसी में कांटे का संघर्ष और भाजपा को मामूली बढ़त बताई गई है। पांच एग्जिट पोल में से तीन में भाजपा को बहुमत बताया गया है जबकि दो में टीएमसी की वापसी का अनुमान है। पिछले विधानसभा चुनाव (2021) में कुछ एग्जिट पोल में भाजपा को बढ़त दिखाई गई थी लेकिन टीएमसी ने अपना रेकॉर्ड प्रदर्शन करते हुए सरकार बनाई थी। तमिलनाडु में अधिकतर एग्जिट पोल अनुमानों में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन की डीएमके की सत्ता में वापसी की संभावना बताई गई है लेकिन एक्सिस-माई इंडिया ने अभिनेता विजय की नई पार्टी टीवीके को डीएमके से ज्यादा सीटें मिलने का अनुमान बताया है। केंद्र शासित प्रदेश पुदुचेरी में एनडीए की वापसी का अनुमान है।

पढ़ें **असम** @ पेज 09

गलत भी होते हैं एग्जिट पोल अनुमान

देश में एग्जिट पोल अनुमानों का इतिहास मिला-जुला रहा है। कई बार एग्जिट पोल अनुमान असली नतीजों के आसपास रहे, लेकिन कई महत्वपूर्ण चुनावों में एग्जिट पोल पूरी तरह गलत साबित हुए।

- **आम चुनाव 2004:** एग्जिट पोल में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में एनडीए की वापसी बताई गई, नतीजों में कांग्रेसनीत यूपीए गठबंधन की जीत।
- **आम चुनाव 2024:** अधिकतर एग्जिट पोल में भाजपा को पूर्ण बहुमत और एनडीए को 316 से 415 तक सीटें बताई गई, असली नतीजों में एनडीए को 293 सीटें ही मिली।
- **हरियाणा विधानसभा चुनाव, 2024:** अधिकतर एग्जिट पोल में भाजपा की हार और कांग्रेस की जीत बताई गई। असली नतीजों में भाजपा ने 90 में से 48 सीटें जीतकर शानदार हैट्रिक लगाई।
- **उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2017:** सभी एग्जिट पोल में त्रिशंकु विधानसभा की भविष्यवाणी की गई थी, असली नतीजों में भाजपा ने ऐतिहासिक 325 सीटें जीतीं।
- **दिल्ली विधानसभा चुनाव, 2015:** एग्जिट पोल में आम आदमी पार्टी को साधारण बहुमत बताया, असली नतीजों में आप ने 70 में से 67 सीटें जीतीं।

मतदान के उत्सव में दिखा उत्साह

ये उत्साह कुछ कहता है...पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना में तिपहिया जुगाड़ में मतदान के लिए जाते लोगों के चेहरे पर झलका लोकतंत्र का उत्सव।

एग्जिट पोल के अनुमान

एग्जिट पोल

तमिलनाडु कुल सीटें **234** बहुमत **118**

	चाणक्या	पी-मार्क	मेट्रिज	एक्सिस माय इंडिया	पोल ऑफ पोल्स
डीएमके+	145-160	125-145	122-132	92-110	**121-136**
एनडीए	50-65	65-80	87-100	22-32	**56-69**
टीवीके	18-26	16-26	10-18	98-120	**35-48**

हैट्रिक **असम** कुल सीटें **126** बहुमत **64**

	मैट्रिज	पी.पल्स	एक्सिस	चाणक्य	पोल ऑफ पोल्स
भाजपा+	85-95	83-91	88-100	88-98	**91**
कांग्रेस+	25-32	23-31	24-36	22-32	**29**
अन्य	6-12	3-5	00	3-5	**6**

बदलाव **केरल** कुल सीटें **140** बहुमत **71**

एलडीएफ	60-65	75-85	49-62	58-64	**64**
यूडीएफ+	70-75	55-65	78-90	72-80	**72**
भाजपा +	3-5	0-3	0-3	00	**2**
अन्य	2-4	0	00	3-7	**2**

बंगाल में रेकार्ड 92% वोटिंग, एक ही सवाल...दीदी या मोदी

आजादी के बाद बड़े राज्य में सर्वाधिक मतदान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

कोलकाता. पश्चिम बंगाल में लोगों ने ऐतिहासिक मतदान कर लोकतंत्र को आह्लादित कर दिया। दूसरे चरण की 142 सीटों पर बुधवार को हुए मतदान में रेकार्ड 92.56% वोट पड़े वहीं चुनाव आयोग ने कहा है कि पहले व दूसरे चरण को मिलाकर आजादी के बाद किसी बड़े राज्य में सर्वाधिक 92.47% मतदान हुआ। महिलाओं ने पुरुषों से करीब डेढ़ प्रतिशत ज्यादा मतदान किया।

पढ़ें **बंगाल** @ पेज 09

सर्वाधिक मतदान इन सीटों पर (पिछली बार जीत)

कनिंग पूर्व	**97.70%**	(टीएमसी)
हरोरा	**97.34%**	(टीएमसी)
सितालकुछि	**97.23%**	(भाजपा)

सबसे कम मतदान वाली सीटें (पिछली बार जीत)

दार्जीलिंग	**82.27%**	(भाजपा)
कलिम्पोंग	**83.04%**	(निर्दलीय)
कुर्सियांग	**83.14%**	(भाजपा)

सुवेंदु को घेरा, पुलिस ने किया लाठीवार

भाजपा प्रत्याशी सुवेंदु अधिकारी कालीघाट क्षेत्र पहुंचे तो विरोधियों ने उन्हें घेर लिया और जय बांग्ला नारे लगाए। इसके जवाब में खुद सुवेंदु और उनके समर्थकों ने जय श्रीराम के नारे लगाए। दोनों गुटों में झड़प की नौबत भी आई, तो सुवेंदु ने अधिकारियों को फोन किया। मौके पर पहुंचे सुरक्षा बलों ने लाठीवार किया। सुवेंदु ने कहा, ये वोटर नहीं, बांग्लादेशी हैं।

ये छिटपुट घटनाएं

- पनिहाटी में बीजेपी प्रत्याशी रत्ना देबनाथ को टीएमसी समर्थकों ने घेर लिया। **भीड़ को हटाने के लिए पुलिस ने लाठीचार्ज किया।**
- उत्तर 24 परगना के अरबिंदा रैली बूथ पर **टीएमसी और भाजपा कार्यकर्ताओं में हिंसक झड़प**
- नदिया जिले के चापड़ा क्षेत्र में बीजेपी के **पोलिंग एजेंट मोशर्रफ मिर पर लोहे की रॉड से हमला, घायल**

ईवीएम पर चिपकाई टेप, दोबारा मतदान संभव

कुछ मतदान केंद्रों पर भाजपा ने टीएमसी पर आरोप लगाया कि बूथ में ईवीएम पर भाजपा के निशान वाले बटन पर टेप चिपका दी गई जिससे उसके पक्ष में मतदान न हो। डायमंड हार्बर के फलता बूथ पर भी ऐसी गड़बड़ी की शिकायत की गई। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि जिन बूथों पर ऐसी टेप मिलेगी वहां दोबारा मतदान करवाया जाएगा और बूथों की संख्या ज्यादा हुई तो पूरे निर्वाचन क्षेत्र में दोबारा चुनाव होंगे।

पश्चिम बंगाल : भाजपा आगे

मुकाबला कुल सीटें **294** बहुमत **148**

	चाणक्या	पी-मार्क	मेट्रिज	पीपल्स पल्स	पोल ऑफ पोल्स
भाजपा	150-160	150-175	146-161	95-100	**135-149**
टीएमसी	130-140	118-138	125-140	177-180	**137-149**
अन्य	6-10	2-6	6-10	0-1	**3-7**

92.47 % मतदान बम्पर पुश के होबे खुश!

दूसरे चरण के लिए बुधवार को 91.66 फीसद रहा मतदान

नई दिल्ली, 29 अप्रैल (एजैंसी) : पश्चिम बंगाल में दोनो चरणों को मिलाकर रिकॉर्ड मतदान हुआ है। मुकाबला इतना कड़ा है कि हर कोई पूछ रहा है कि मतदाताओं के इस बम्पर पुश से 'के खुश' (कौन खुश होगा)। छिटपुट हिंसा की घटनाओं के अलावा ईवीएम से छेड़छाड़ की शिकायतें भी दूसरे चरण के मतदान के दौरान कुछ केंद्र से मिली हैं।

निर्वाचन आयोग ने बुधवार को बताया कि पश्चिम बंगाल में दो चरण में हुए विधानसभा चुनावों में रिकॉर्ड 92.47 प्रतिशत मतदान हुआ है, जो स्वतंत्रता के बाद से सबसे अधिक है। शाम 7.45 बजे तक, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनावों के दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत 91.66 रहा। 23 अप्रैल को हुए पहले चरण के चुनावों में मतदान प्रतिशत 93.19 रहा था। दोनों चरणों में कुल मतदान प्रतिशत 92.47 प्रतिशत रहा है।

पश्चिम बंगाल में 6.81 करोड़ मतदाता हैं। इससे पहले, राज्य में सबसे अधिक मतदान 2011 के विधानसभा चुनावों में 84.72 प्रतिशत दर्ज किया गया था। इस चरण में महिला मतदाताओं की भागीदारी पुरुषों की तुलना में थोड़ी अधिक रही।

कोलकाता : बारिश में छाता लेकर मतदान के लिए कतार में खड़ी महिलाएं।

मतदान में महिलाएं आगे

निर्वाचन आयोग के अनुसार, कुल महिला मतदाताओं में से 92.28 प्रतिशत ने मतदान किया, जबकि पुरुषों का प्रतिशत 91.07 रहा। आयोग के अनुसार, इससे पहले तमिलनाडु में सबसे अधिक मतदान भागीदारी 78.29 प्रतिशत (2011 के विधानसभा चुनाव) और पश्चिम बंगाल में 84.72 प्रतिशत (2011) था। दोनों राज्यों में, मतदान में पुरुषों की तुलना में महिला मतदाताओं की संख्या अधिक रही।

प्रत्येक मतदाता को सलाम : ज्ञानेश

उच्च मतदान प्रतिशत पर मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने कहा, 'आजादी के बाद पश्चिम बंगाल में अब तक के सबसे अधिक मतदान प्रतिशत के लिए निर्वाचन आयोग राज्य के प्रत्येक मतदाता को सलाम करता है।' पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, पुडुचेरी, केरल और असम-इन सभी पांच विधानसभाओं के लिए मतगणना चार मई को होगी।

ईवीएम पर टेप तथा सिलकॉन उंगली पर बवाल

जहां भी छेड़छाड़ दोबारा होगा मतदान : मुख्य निर्वाचन अधिकारी

कोलकाता : बंगाल चुनाव के आखिरी दौर में जहां भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी ने भवानीपुर सीट पर नकली सिलकॉन अंगुलियों की मदद से फर्जी वोटिंग का दावा कर सनसनी फैला दी, वहीं भाजपा के आईटी सेल के प्रमुख अमित मालवीय ने ट्वीट किया कि डायमंड हार्बर क्षेत्र के फलता में कई पोलिंग बूथों पर ईवीएम में बीजेपी के बटन पर टेप चिपका दिया गया है। भाजपा की ओर से लगाए गए इन आरोपों के बाद बवाल मच गया और निर्वाचन अधिकारी तुरंत हरकत में आ गए। आरोप सामने आने के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) मनोज कुमार अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि राज्य के उन क्षेत्रों में दोबारा मतदान कराया जाएगा, जहाँ से इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) के साथ

(शेष पृष्ठ 8 कालम 1 पर)

दैनिक नवज्योति Jaipur City - 30 Apr 2026 - Page 4

पश्चिम बंगाल चुनावः मतदान के दूसरे चरण में फिल्मी सितारों ने डाला वोट

एजेंसी/कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे चरण के दौरान बुधवार को बांग्ला फिल्म जगत की मशहूर हस्तियों ने बढ़-चढ़कर अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग किया और जनता से भी मतदान करने की अपील की। दिग्गज अभिनेता और भाजपा नेता मिथुन चक्रवर्ती भी काशीपुर-बेलगाछिया निर्वाचन क्षेत्र में मतदान करने पहुँचे। काले रंग की टी-शर्ट, टोपी और चश्मे के साथ गले में नारंगी रंग का स्कार्फ पहने मिथुन ने मतदान के बाद मीडिया से कहा कि उन्होंने किसी विशेष व्यवस्था की मांग नहीं की थी। उन्होंने विश्वास जताया कि पूरी प्रक्रिया सुचारू और शांतिपूर्ण रहेगी। मतदान केंद्रों पर पहुँचने वाले प्रमुख नामों में अभिनेता-निर्देशक जोड़ी सुभाश्री गांगुली और राज चक्रवर्ती (बैरकपुर विधानसभा क्षेत्र से टीएमसी उम्मीदवार) शामिल थे। वे कस्बा स्थित

पोलिंग बूथ पर रोजमर्रा के परिधानों में नजर आए। मतदान के बाद इस जोड़े ने इंस्टाग्राम पर अपनी उंगलियों पर लगी स्याही दिखाते हुए एक सेल्फी साझा की और नागरिकों को चुनावी प्रक्रिया में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया।

अभिनेता अबीर चटर्जी भी मतदान केंद्रों पर कतार में खड़े नजर आए

मीडिया से बातचीत के दौरान सुभाश्री गांगुली ने एक प्रभावशाली उपमा देते हुए कहा, हमें मां दुर्गा के दर्शन दो बार होते हैं। एक हर साल और दूसरा हर पांच साल में। वह आम लोगों को दुष्ट असुरों से बचाने के लिए आती हैं। उनके पति राज चक्रवर्ती ने भी उनकी इस बात का समर्थन किया। इनके अलावा अभिनेता अबीर चटर्जी भी मतदान केंद्रों पर कतार में खड़े नजर आए। अभिनेत्री सोहिनी सरकार ने भी नीले रंग के सलवार सूट में बूथ पहुँचकर अपने मताधिकार का प्रयोग किया और स्याही लगी उंगली दिखाकर दूसरों को प्रेरित किया। दिग्गज अभिनेता और टीएमसी के पूर्व विधायक चिरंजीत चक्रवर्ती भी अपनी पत्नी के साथ रासबिहारी निर्वाचन क्षेत्र में वोट डालने पहुँचे। लेकिन वह इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में आई तकनीकी खराबी के कारण उस समय वोट नहीं डाल पाए। उन्होंने वहां मौजूद लोगों से कहा कि वे अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए बाद में दोबारा आएंगे।

दैनिक नवज्योति Jaipur City - 30 Apr 2026 - Page 1

एग्जिट पोल में जताया अनुमान | फाइनल रिजल्ट का इंतजार, वोटों की गिनती 4 मई को

बंगाल में कमाल, केरलम् में कांग्रेस+

तमिलनाडु में डीएमके को सत्ता, असम में फिर भाजपा और पुडुचेरी में एनडीए गठबंधन बनाएगा सरकार

पश्चिम बंगाल

कुल सीटें 294 | बहुमत 148

सर्वे	तृणमूल	भाजपा	अन्य
चाणक्य	130-140	150-160	0-5
मैट्रिज	125-140	146-161	6-10
पीपुल्स पल्स	177-187	95-110	1-4
पोल डायरी	99-127	142-171	5-9
पी मार्क	118-138	150-175	0-0
प्रजा पोल	85-110	178-208	0-5
औसत	131	153	04

तमिलनाडु

कुल सीटें 234 | बहुमत 118

सर्वे	डीएमके+	AIADMK	अन्य
मैट्रिज	122-132	87-110	10-18
पीपल्स पल्स	125-145	65-80	20-30
टाइम्स नाउ-जेवीसी	75-95	128-147	8-15
पी मार्क	125-145	65-85	17-27
प्रजा पोल	148-168	61-81	1-9
पीपल्स इनसाइट	120-140	60-70	30-40
औसत	128	87	19

केरलम्

कुल सीटें 140 | बहुमत 71

सर्वे	एलडीएफ	यूडीएफ+	अन्य
एक्सि माय इंडिया	49-62	78-90	0-3
मैट्रिज	60-65	75-85	3-5
पीपल्स पल्स	55-65	70-85	0-3
पी मार्क	62-69	71-79	1-7
टाइम्स नाउ-जेवीसी	57-66	72-82	2-6
औसत	61	79	03

असम

कुल सीटें 126 | बहुमत 64

सर्वे	भाजपा+	कांग्रेस+	अन्य
एक्सिस माय इंडिया	88-100	24-36	0
मैट्रिज	85-95	25-32	6-12
पीपल्स पल्स	68-72	22-26	3-5
पी मार्क	82-94	30-40	1-5
चाणक्य	88-98	22-32	3-5
औसत	87	29	04

पुडुचेरी

कुल सीटें 30 | बहुमत 16

सर्वे	एनडीए+	कांग्रेस+	अन्य
पीपल्स पल्स	16-19	10-12	1-2
एक्सिस माय इंडिया	16-20	6-8	3-7
औसत	18	9	3

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के मतदान के बाद पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव के लिए अलग-अलग एजेंसियों के एग्जिट पोल आ गए। लोगों की निगाहें पश्चिम बंगाल पर लगी हैं। हर किसी को जिज्ञासा है कि यहां किसकी सरकार बनेगी। इस बार 'सोनार बांग्ला' पर ममता 'दीदी' का जादू बरकरार रहेगा या फिर बीजेपी कमल खिलाने में कामयाब रहेगी। एग्जिट पोल की मानें तो बंगाल में कमल खिलने का अनुमान जताया जा रहा है। वहीं असम में भाजपा को फिर से सत्ता मिलती नजर आ रही है। तमिलनाडु में डीएमके को सत्ता पर काबिज बताया जा रहा है। इसके अलावा केरलम में यूडीएफ और कांग्रेस गठबंधन की सरकार बनने का अनुमान जताया जा रहा है। वहीं पुडुचेरी में भी एनडीए की सरकार बनने जा रही है।

प. बंगाल में दूसरे चरण में 92.32% मत डले

कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और ईवीएम से छेड़छाड़

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण की 142 सीटों पर मतदान खत्म हो गया। शाम 6 बजे तक के आकड़ों के अनुसार, 92.32% वोटिंग हुई है। यह और बढ़ सकता है क्योंकि कई मतदान केंद्रों पर लाइनें लगी हुई थीं। वोटिंग के दौरान कई जगहों पर हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और ईवीएम से छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आईं। बंगाल के मतदाताओं ने लोकतंत्र के इस पर्व पर बढ़ चढ़ कर मतदान किया। इस बीच भाजपा ने आरोप लगाया है कि कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम पर भाजपा के चुनाव चिन्ह पर टेप चिपका दी गई थी वहीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने आरोप लगाया है कि सीआरपीएफ के जवानों ने टीएमसी समर्थकों और वोटरों से मारपीट की। ममता ने कहा कि सीआरपीएफ ने हमारे कई लोगों को गिरफ्तार किया है। वोटरों और सेंट्रल ऑब्सर्वर लोगों को मार रहे हैं। महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा। सीआरपीएफ के हमले से हावड़ा के उदयनारायणपुर में एक बुजुर्ग की मौत हो गई। टीएमसी महासचिव अभिषेक बनर्जी ने दावा किया कि बुजुर्ग अपने बेटे के साथ वोट डालने गए थे। केंद्रीय बलों ने उन्हें धक्का दिया और मारपीट की।

ईवीएम के साथ छेड़छाड़ वाले क्षेत्रों में दोबारा होगा मतदान

प. बंगाल के मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने बुधवार को कहा कि राज्य के उन क्षेत्रों में दोबारा मतदान कराया जाएगा, जहां से ईवीएम के साथ छेड़छाड़ की रिपोर्टें मिली हैं। जहां कहीं भी मशीन के साथ छेड़छाड़ की घटनाएं सामने आई हैं, चाहे वह टेप चिपकाकर की गई हो या किसी अन्य तरीके से, हम वहां फिर से मतदान करवाएंगे।

भवानीपुर में टीएमसी कार्यकर्ताओं ने शुभेंदु को घेरा

झड़प के बाद पुलिस का हल्का लाठीचार्ज

मतदान के दौरान भवानीपुर में भाजपा उम्मीदवार शुभेंदु अधिकारी को टीएमसी कार्यकर्ताओं ने घेर लिया। इस दौरान भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ताओं के बीच तनाव बढ़ गया, जिसके बाद सुरक्षा बलों और पुलिस को हल्का लाठीचार्ज कर स्थिति नियंत्रित करनी पड़ी। अधिकारी के पहुंचने पर तृणमूल कार्यकर्ताओं ने 'जय बंगला' के नारे लगाए, जिसके बाद दोनों पक्षों के समर्थकों के बीच नारेबाजी और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। स्थिति बिगड़ने पर केंद्रीय बलों और कोलकाता पुलिस ने हस्तक्षेप करते हुए दोनों दलों के कार्यकर्ताओं को तितर-बितर किया। यह सीट इस चुनाव में राज्य की सबसे हाई-प्रोफाइल सीटों में शामिल है।

पांच राज्यों में भाजपा की जीत की हैट्रिक लगेगीः मोदी

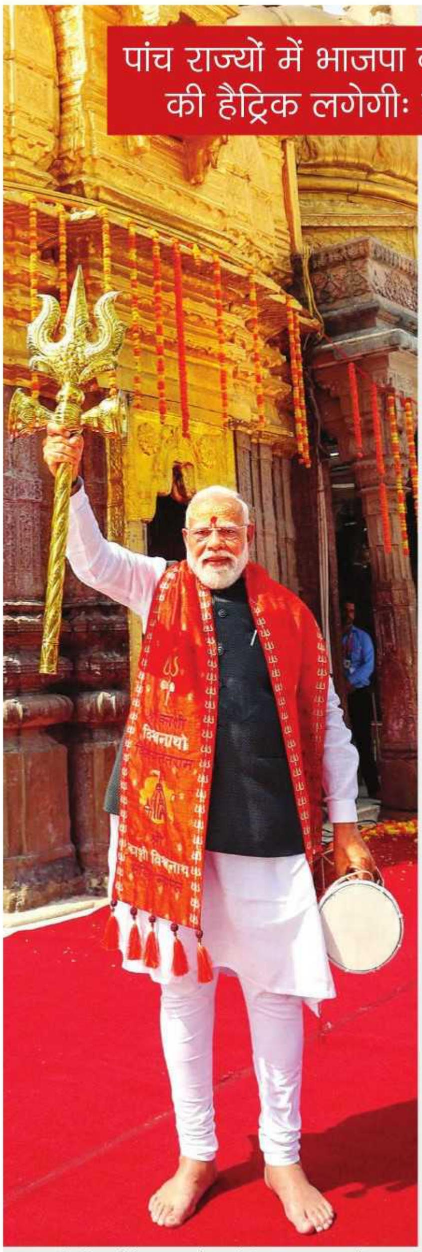

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी बुधवार को काशी विश्वनाथ धाम पहुंचे। धाम में पंडितों और बटूको ने उनका स्वागत शंखनाद से किया। मोदी ने बाबा विश्वनाथ का जलाभिषेक किया और पंचामृत से स्नान कराया। उन्होंने बाबा का श्रृंगार किया और आरती उतारी।

एजेंसी/हरदोई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि भाजपा बिहार विधानसभा चुनाव में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखते हुए वर्तमान में हो रहे पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भी ऐतिहासिक जीत की हैट्रिक लगाएगी। मोदी ने यह बात अदाणी ग्रुप द्वारा बनाए गए मेरठ और प्रयागराज के बीच विकसित 'गंगा एक्सप्रेसवे' को राष्ट्र को समर्पित करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि देश के पांच राज्यों में हो रहे इन चुनावों के चार मई को आने वाले नतीजे 'विकसित भारत' के संकल्प को मजबूत करेंगे और देश के विकास की गति को नई ऊर्जा से भरेंगे।

प.बंगाल में दूसरे चरण का मतदान 91.41 प्रतिशत रहा

कोलकाता, 29 अप्रैल । पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण में भी छिटपुट हिंसा के बीच बंपर मतदान हुआ। राजधानी कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सात जिलों की 142 सीटों के लिए 91.41 प्रतिशत मतदान हुआ। मतगणना चार मई को होगी और नतीजे भी दोपहर 12 बजे तक स्पष्ट हो जाएंगे कि राज्य में किसकी सरकार बनेगी।

- **राजधानी कोलकाता सहित दक्षिण बंगाल के सात जिलों में छिटपुट हिंसा के बीच भारी मतदान हुआ।**

दूसरे और आखिरी चरण में कुल 1,448 उम्मीदवारों का राजनीतिक भविष्य ईवीएम में कैद हो गया। इस चरण में मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

द्वितीय चरण का मतदान पूर्ण होने पर बंगाल ने चैन की सांस ली

यह प्रजातंत्र की जीत मानी जा सकती है कि बिना चुनावी हिंसा, हत्याओं की पुनरावृत्ति के बिना पचास साल बाद जनता आगे बढ़कर बिना भय के वोट देने आई

- बंगाल के चुनाव की ''थीम'' व नारा था, ''परिवर्तन'' और भाजपा ने इस नारे को बड़ी होशियारी से पूरे चुनाव में उपयोग किया।
- हालांकि, ''एग्ज़िट पोल'' भाजपा की जीत की संभावना जता रहे हैं, पर, सही बात तो यह है, वोटिंग एक जटिल प्रक्रिया है, जिसमें कई ''फैक्टर'' सक्रिय होते हैं और कौन सा ''फैक्टर'' प्रभावी हो जाए यह अंदाज़ लगाना बहुत कठिन है।
- पर, एक ''फैक्टर'' पुरजोर ढंग से उभरकर आता है, भारी संख्या में जनता ने जमकर वोट दिया है और ''वोटिंग परसन्टेज'' पुराने मतदान के वोटिंग प्रतिशत से कहीं ज्यादा है और संभवतया इस बार फर्ज़ी वोटिंग भी नहीं कर पाए बाहुबली।

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। पश्चिम बंगाल ने पूरे राज्य में केन्द्रीय बलों की बेहद कड़ी निगरानी में हुए कठिन चुनाव के बाद राहत की सांस ली। यह एक ऐसा मतदान साबित हुआ, जिसमें राजनीतिक हिंसा से कोई हत्या या मृत्यु नहीं हुई।

मतदान के दूसरे चरण में कोई बड़ी घटनाएँ नहीं हुईं। इस प्रकार यह चुनाव एक मील का पत्थर बन गया और 1977 में लेफ्ट फ्रंट की सत्ता में आने के बाद शुरू हुई हिंसक चुनाव प्रक्रियाओं में स्पष्ट विराम दर्शाता है।

सत्तारूढ़ दल के बाहुबली नेताओं की कोई बड़ी धमकी न होने के कारण, जैसी कि पिछले पांच दशकों में सामान्य तस्वीर थी, लोग बड़ी संख्या में अपने मताधिकार का प्रयोग करने निकले। शाम छह बजे के बाद भी मतदान केन्द्रों के बाहर लंबी कतारें लगी हुई थीं, जहाँ लोग धैर्यपूर्वक वोट डालने की प्रतीक्षा कर रहे थे।

इस अभूतपूर्व उत्साह को देखते हुए, मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने आदेश

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प.बंगाल में कुछ बूथों पर मतदान रोका चुनाव आयोग ने

चुनाव आयोग ने यह आदेश भाजपा की शिकायत पर दिए, भाजपा ने डायमंड हार्बर के कुछ बूथों में तृणमूल द्वारा ईवीएम से छेड़छाड़ का आरोप लगाया था

- भाजपा ने आरोप लगाया था कि डायमंड हार्बर सीट के फाल्टा क्षेत्र में कूछ बूथों पर ईवीएम में भाजपा के बटन पर टेप लगाई गई थी। भाजपा का आरोप था कि यह सब तृणमूल कांग्रेस ने करवाया है।
- भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने सोशल मीडिया पर ऐसा एक वीडियो जारी किया, जिसमें एक पोलिंग बूथ में ईवीएम के तीसरे बटन पर टेप लगा हुआ था। उन्होंने इन क्षेत्रों में दोबारा मतदान कराने की मांग की है।

- जाल खंबाता -
–राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 29 अप्रैल। पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर में फाल्टा के कुछ बूथों पर मतदान रोक दिया गया है, क्योंकि भाजपा ने आरोप लगाया है कि दूसरे चरण के चुनावों में तृणमूल ने ईवीएम में छेड़छाड़ (टैम्परिंग) की है। साउथ 24 परगना जिले का डायमंड हार्बर लोकसभा सांसद अभिषेक बनर्जी का गढ़ माना जाता है, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं।

भाजपा ने आरोप लगाया है कि साउथ 24 परगना के डायमंड हार्बर क्षेत्र के फाल्टा में कई मतदान बूथों में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) पर उसका बटन टेप से ढका गया है।

इस आरोप को नकारते हुए, तृणमूल ने कहा कि भाजपा बंगाल में हार रही है, इसलिए यह झूठी अफवाह फैला रही है। पार्टी ने चुनाव आयोग और पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा (आईपीएस अधिकारी जिन्हें "सिंघम" कहा जाता है) पर भी निशाना साधा, जिन पर पहले उनके उम्मीदवार जहाँगीर खान को धमकी देने का आरोप लगाया गया था।

चुनाव आयोग के सूत्रों ने कहा था कि यदि ऐसी रिपोर्टें आती हैं, तो उनकी जांच की जाएगी और यदि सही पाई गईं, तो उन बूथों पर पुनः मतदान कराया जाएगा।

भाजपा के मीडिया प्रभारी अमित मालवीय ने फाल्टा के उन सभी प्रभावित बूथों में पुनः मतदान की मांग की है, जहाँ उन्होंने इस तरह की चुनावी अनियमितताएँ होने का आरोप लगाया है।

उन्होंने एक पोस्ट में कहा, "कई मतदान बूथों में भाजपा के लिए मतदान करने का विकल्प टेप से ब्लॉक कर दिया गया है, जिससे मतदाता अपने मताधिकार प्रयोग नहीं कर पा रहे हैं। यही है तथाकथित "डायमंड हार्बर मॉडल", वही तरीका, जिससे ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी को उनकी लोकसभा सीट मिली।"

अमित मालवीय ने फाल्टा के हरिंदांगा हाई स्कूल के एक बूथ का वीडियो भी साझा किया, जिसमें ईवीएम के तीसरे बटन (भाजपा के कमल चिन्ह

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

Amid videos & claims, EC says repolling if charges found true

ENS & PTI
Kolkata, April 29

AS POLLING for the phase 2 Assembly elections culminated in West Bengal on Wednesday, the Election Commission said it will order repoll in booths where allegations of EVM tampering are found to be true. Asserting that the poll panel has a "zero tolerance" policy against such offences, West Bengal's Chief Electoral Officer (CEO) Manoj Agarwal said Wednesday that a repoll will be ordered only after the authorities examine reports from the district election officer or election observers on allegations of tampering with EVMs using tapes or blot of ink in some polling booths.

Agarwal's statement came following allegations by the Bharatiya Janata Party that its symbols on EVMs were "covered with tape" or "ink" in some polling booths.

Sharing a video on social media platform 'X', BJP IT cell chief Amit Malviya claimed white tape had been placed on the party's symbol in booth numbers 144 and 189 in the Falta Assembly seat, and sought a re-poll.While the EC has not yet confirmed the authenticity of the video shared by Malviya, it said that ground reports are being examined.

Reacting to the allegations while speaking to the media here, Agarwal said that preliminary checks have not indicated any tampering during the handling of machines by polling officials, including mock polls, adding that: "Wherever we got tapes (on EVMs) or any form of tampering with the EVMs, we will conduct a repoll. We will follow a zero-tolerance policy."

"If a large number of booths in any assembly constituency report such instances, we will conduct a repoll in the entire constituency. I do not have the exact number (where allegations were raised)," the CEO said.

• FESTIVAL OF DEMOCRACY IN CITY OF JOY

1

2

3

4

5

6

7

8

1. An armoured vehicle makes its way past a queue of voters; 2. actor and BJP leader Mithun Chakraborty; 3. actor and TMC MP Sayoni Ghosh; 4. CPI (M) leader Biman Bose; 5. actor Prosenjit Chatterjee; 6. TMC MP Abhishek Banerjee; 7. former India captain Sourav Ganguly; 8. TMC MP Mahua Moitra, in Kolkata Wednesday. ANI & PTI

'Such security could've saved my husband': At TMC vs ISF ground zero, a sense of relief

Ravik Bhattacharya & Atri Mitra
Bhangar, April 29

Tanjina Bibi, who lost her husband during 2023 panchayat polls, waits for her turn to vote in Bhangar on Wednesday. RAVIK BHATTACHARYA

TANJILA BIBI, accompanied by her three-year-old daughter, joins a long queue at a polling booth at Katadanga Primary School under Bhogali 2 gram panchayat in Bhangar near Kolkata on Wednesday.

She says she is haunted by the violence that rocked the area during the panchayat poll counting on July 11, 2023, in which her 27-year-old husband Hassan Mollah was killed.

"Only I know what I have lost in that election. Ten days after my husband's death, I gave birth to my third child. I have to bring up my three children on my own," Tanjila tells *The Indian Express*.

"But I have to vote in this Assembly election. I had also voted in the 2024 Lok Sabha polls. But this time it seems to be different – security is unprecedented here now, and so are the queues. If such security had also been ensured in the 2023 panchayat polls, I would not have lost my husband," she says, referring to the massive deployment of the Central Armed Police Force (CAPF) personnel across the Muslim-dominated Bhangar Assembly constituency in South 24 Parganas.

Hassan Mollah was among three Indian Secular Front (ISF) supporters who were killed in the panchayat poll violence in Bhangar, which has often seen clashes between the activists of the ISF and the incumbent Trinamool Congress (TMC) in recent years. At least five people were killed in these clashes during the 2023 panchayat polls.

Rise of ISF

The ISF, founded by the Furfura Sharif sufi shrine's cleric Peerzada Abbas Siddiqui, made its debut in the 2021 Assembly elections, contesting in an alliance with the Left Front and Congress. While the Left and Congress failed to open their accounts, ISF chairman Naushad Siddiqui, Abbas's younger brother, won from Bhangar, defeating the TMC's Rezaul Karim by over 26,000 votes.

In five years since, the ISF has expanded its footprint in some districts, making its mark in state politics. In the 2023 panchayat polls swept by the TMC, the ISF had put up a good showing in several Muslim pockets across the state, winning 43 seats in Bhangar. This time, the ISF has an alliance with the Left, with Naushad again contesting from Bhangar, even as the TMC has stepped up to wrest the seat from him.

Shifting scene

During Wednesday's voting for the second phase of the West Bengal Assembly polls, Bhangar appeared to present a different scenario. Barring an incident where the central security personnel resorted to lathi charge to disperse a mob, polling remained peaceful amid a huge deployment of the CAPF and Kolkata police.

"Many of us, mostly women, usually don't vote fearing violence. Every year, we hear crude bombs being lobbed in the area from the poll eve that gets worse on polling day. But not this time. Police and central forces were everywhere. So we all went to the booth and voted. This time, voting was also important because of SIR (Special Intensive Revision) of electoral rolls," says Lalbanu Bibi, the 81-year-old grandmother of Hassan.

Tanjila says their family has been grappling with various problems, "Bhaijan (Naushad Siddiqui) helps us. But we are happy that in this election there have been no reports of any casualties,"she adds.

The CPI(ML)-Mass Line's candidate Mirza Hassan says, "Now, no one would be able to blame any poll rigging or misconduct. Everyone, including myself, thought that conducting a free and fair election in Bhangar was impossible. They have been proved wrong."Earlier in the day, Naushad visited two polling booths in Pranganj. TMC workers raised "Jai Bangla" slogans as they charged at him. The central security personnel had to use batons to disperse them.

"I requested the central force to intervene when TMC workers abused me while I was getting into my car... TMC is absolutely rattled. People could not vote in the 2023 panchayat elections and the 2024 Lok Sabha polls. And now when they are finally voting, they will vote against TMC and in our favour," claims Naushad.

Message Beyond Elections

Kerala & TN, to Assam & Bengal, each of the four big states where voting has concluded is a perfect example – via language, culture, politics – of India's innate ability to live with differences

Uday Chandra

Amusingly, electoral outcomes in eastern and southern states are far less surprising to those who live in them, than to those who interpret them, from Delhi. The ongoing contests in Bengal, Tamil Nadu, Assam and Kerala underscore an uncomfortable truth: a wide chasm persists between how India's politics and history are presented in textbooks, and how they are lived and narrated, in the east and south. The upshot is, a systematic failure, to grasp the appeal of social democracy grounded in distinctive vernacular forms of modernity.

Take West Bengal. The everyday idioms of politics, visible in street theatre, poetry, song and govt circulars alike, are distinctly Bengali. Political authority is performed through cultural fluency, as much as grassroots organisation. Muslims, Christians and Hindus quote Tagore, Nazrul or Michael Madhusudan, with roughly equal fervour. Welfare is not merely delivered, but narrated, debated, and judged in Bengali.

Political speech straddles the apparently unbridgeable divide between 'folk' and 'classical', puzzling those who struggle to grasp cadences of this lingua franca spoken from the Himalayan foothills to the Gangetic delta. Even as Santhali, Nepali, Odia, Urdu and Bhojpuri flourish in their own right as sister languages, those whom the English once dubbed "upcountrymen", are now recast as *bohiragoto* (outsiders). Yet, Shah Rukh Khan is embraced today, as lovingly as the kabuliwalla, in Tagore's story.

Next, consider Tamil Nadu. The century-old Dravidian movement has crafted arguably India's most self-conscious vernacular public sphere. Political speeches, cinematic dialogues, legislative debates, and welfare rhetoric circulate with remarkable coherence between spoken and written Tamil. Similarly, leaders such as CN Annadurai or Karunanidhi moved effortlessly between Sangam classicism and street-corner repartee.

Tamil social democracy, which encompasses midday meals, canteens and libraries, as well as caste-based reservations, is neither an abstract, nor an imported ideology. Its vernacular common sense is lived, articulated, and defended, across caste and class divides, in Tamil.

It is true English circulates among urban professional classes and Hindi is spoken by the growing north Indian migrant population in this highly industrialised state. Yet, it is Tamil that anchors political legitimacy in ways that flummox non-Tamil speakers. 'Identity politics' simply fails to see how language becomes durable, social infra.

Similarly, Kerala's social democracy is often reduced to cliches about high literacy and communist ideology. What goes unnoticed is that this literacy is overwhelmingly in Malayalam, producing an electorate that consumes politics as text, not spectacle. Newspapers, political pamphlets, and trade union literature circulate, within a dense Malayalam public sphere in which politics is argued over, endlessly, at toddy shops, reading rooms and party meetings.

Malayalis do not rely on 'national' news anchors to make sense of budgets, policies and manifestos. Their legendary scepticism, hostile to rhetorical excess, is thoroughly homegrown, yet, deeply cosmopolitan. When votes flip between CPM and Congress, every five years, they strengthen a shared vernacular grammar of social democracy.

Image: AI

This embedded political literacy is shaped as much by internal debates, as by Kerala's long engagement with the wider world – from the rest of the Indian subcontinent to Arabian Sea littorals. And remains largely unintelligible to those who insist on reading it from afar.

Finally, in Assam, the language of social democracy gives way to a more anxious vernacular politics of who belongs and who is entitled to welfare. Idioms of Axomiya politics hinge on indigeneity, mobility and belonging. Each of these abstract nouns fails to capture the textures of land, language and memory that come alive in the songs of Bhupen Hazarika or Zubeen Garg.

Axomiyas readily lapse into Bengali, Hindi or English, and ethnic minorities dot the bazaars, villages and campuses of Assam. Yet, Assamese is much more than a medium of communication. It is a sharply drawn line that separates the insider from the shadowy *bohiragoto* (outsider).

If the Assam Accords sought to domesticate subnationalism, as ethnoregionalism, National Register of Citizens threatened to remake India's citizenship laws. 'Region' and 'nation' thus exist in a tight, yet uneasy, embrace. Neither 'secularism' nor 'communalism' can explain why nine-tenths of excluded persons in NRC were Hindu, or why BJP state govt acts as a patron of Assamese Muslims. To read Assam, as just another theatre for national politics, would be profoundly wrongheaded.

Irrespective of who wins or loses, this past month of jockeying for power and patronage taught us two big lessons. First, India's 'nation' is a crowded argument among many. In Bengal, Tamil Nadu, Kerala and Assam, as political theorist Partha Chatterjee argues in a new book, India is continually re-imagined through languages that carry their own histories, publics, and political common sense.

These regions don't passively receive a singular national narrative from New Delhi. Instead, they interpret it, argue with it, and, when necessary, refuse it. One language, creed or election is much too simplistic to accommodate this heterogeneity. Indeed, India's federal unity endures by negotiating the many vernacular ways of 'being' – that make us Indian.

Second, the states that went to polls demonstrate the *varieties* of social democracy around the country. To be Indian is, above all, to possess a capacity to move across states linguistically, culturally, and politically, without fear. Plural notions of belonging define a civilisational outlook. This is why Gandhi and Tagore warned of the narrow walls and inward-looking outlook that defined European nationhood.

The world may look to India as a test case for living with difference – but this is integral to India's federal social democracy, capacious enough to let us belong in more than one place, and in more than one language.

The writer is a political analyst

92.6% turnout in Ph 2 takes Bengal total to record 92.9%

Surges Past 81.5% Posted In 2021

Kaushik Pradhan & Debashis Konar | TNN

Kolkata: Voter turnout in 142 constituencies that went to polls in the second phase of the assembly election on Wednesday was 92.6% till 11pm, taking the overall turnout across all 294 seats and two phases of polling to a whopping 92.9%.

The figure easily beat the 2021 turnout — a decent 81.5% — and was one of the highest turnouts for an assembly poll anywhere in India till date, EC officials said. Bengal's best turnout before this election came in 2011, when 84.3% of voters went to the booths to get the 34-year-old Left Front govt out of office.

The overall turnout for Bengal comes tantalisingly close to the nationwide record of 93.6% in Tripura's 2013 poll. However, the Tripura turnout was based on an aggregate of EVM votes and postal ballots, while the Bengal percentage is calculated only on EVM votes. "Highest ever percentage of polling in West Bengal since Independence. Chunav ka parv, Paschim Bengal ka garv," CEC Gyanesh Kumar said. The overall women's turnout was 93.2%, men's 91.7%, EC said.

The turnout ensured that more votes were cast this time (6.3 crore) than in 2021 (5.9 crore) despite SIR reducing the size of the electorate from 7.3 crore in 2021 to 6.8 crore.

▶**Continued on P 14**

MAMATA, SUVENDU JUST 50M APART

Photo: PTI

People wait in queue to vote in Kolkata

➤ Barely 50m separated CM Mamata Banerjee and her ex-confidant and BJP challenger Suvendu Adhikari in a narrow Bhowanipore lane. **Neither acknowledged the other** nor exchanged a glance

➤ Mamata accuses central forces and election observers of **unprecedented 'atrocities' targeting TMC functionaries** and supporters, says it **kept her 'awake all night'**

➤ In Gaighata, **central forces personnel allegedly prevented several men wearing lungis** from entering the booth and **asked them to return in trousers**

➤ **Sk Ibrahim, 104**, initially placed under adjudication because of a 'discrepancy' and later added, **votes** **P 8**

Modi: Proof of tide turning for BJP

Expressing confidence about BJP coming to office in Bengal for the first time, PM Modi said the record turnout is the harbinger of change. He predicted that NDA would also retain Assam and Puducherry and spring a few surprises in Kerala and TN. Modi said the BJP-led alliance was building on its Bihar triumph some months ago. **P 14**

Exit polls differ on WB, TN, give Assam to BJP, Kerala to Cong

AINRC-BJP Likely To Retain Puducherry

TIMES NEWS NETWORK

BLOCKBUSTER DEBUT BY VIJAY'S TVK IN TN?

State		Axis My India	People's Pulse	P Marq	Matrize
ASSAM (126)	BJP+	**88-100**	**83-91**	**82-94**	**85-95**
	Cong+	24-36	22-26	30-40	25-32
	Others	0-3	NA	1-5	6-12
KERALA (140)	UDF	**78-90**	**75-85**	**71-79**	**70-75**
	LDF	49-62	55-65	62-69	60-65
	BJP+	0-3	0-3	1-4	3-5
TAMIL NADU (234)	DMK+	92-110	**125-145**	**125-145**	**122-132**
	ADMK+	22-23	65-80	65-85	87-100
	TVK	**98-120**	18-24	16-26	10-12
W BENGAL (294)	TMC	Did not release findings on Wednesday	**177-187**	118-138	125-140
	BJP		95-110	**150-175**	**146-161**
	Others		1-5	2-6	6-10

Exit polls on Wednesday agreed that the BJP-led alliance would win Assam comfortably, the UDF would unseat the LDF in Kerala and the AINRC-BJP combine would retain Puducherry but disagreed on the outcome in Tamil Nadu and West Bengal.

The most startling prediction was Axis My India's projection of Tamil Nadu being a tight race between the Vijay-led TVK (98-120 seats) and the DMK alliance (92-110) – in that order – with the AIADMK-led NDA reduced to an also ran in the 234-member House. The other three exit polls being taken into account here all gave the DMK-led coalition a majority, though a reduced one from five years earlier.

On West Bengal, while Axis MY India did not release its findings on Wednesday and some other well-known pollsters too preferred to wait for another day, of the three polls here, the one by P Marq projected BJP to most likely win a majority in the 294-member assembly and Matrize gave the saffron party the edge though not a majority in a state it has never won in the past. The third poll, People's Pulse, in contrast, projected a decisive TMC victory that would give Mamata Banerjee a fourth consecutive term of office.

All four exit polls suggested that the NDA was likely to win a two-thirds majority in the 126-member Assam assembly, which would also mean BJP for the first time winning a majority on its own in the northeastern state.

The Congress-led alliance was projected to bag between 24 and 40 seats.

▶Continued on P 14

Hindustan Times

'As per expectations': BJP on exit polls tally; Cong rejects prediction

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

GUWAHATI: As several exit polls on Wednesday predicted a thumping victory for the NDA in Assam, the ruling Bharatiya Janata Party (BJP) said the projections were as per the party's expectations while the opposition Congress said they don't reflect the ground situation.

Polling for the 126-member Assam assembly was held on April 9. Pollsters Axis My India, Peoples Pulse and Matrize predicted a comfortable for the BJP-led NDA in Assam, forecasting 68 to 100 seats for the ruling alliance and 22 to 36 seats for the Congress and its partners.

Himanta Biswa Sarma

"The exit poll results are as per our expectations and the wishes of the people of Assam," Kishore Upadhyay, chief spokesperson for BJP's Assam unit, said. "It's a pro-incumbency for the policies followed by our government in Assam over the past 10 years."

The BJP is seeking a third straight term in the state.

Leader of the opposition in the assembly Debabrata Saikia, however, rejected the exit polls predictions.

"The exit polls don't reflect the ground situation in Assam. The BJP has failed to fulfil most of their promises like ending floods, implementation of Assam Accord etc. Also, there is a large chunk of silent voters in the state," the Congress leader said.

The Raijor Dal, an ally of the Congress, also rejected the projections and sounded confident of the alliance forming the next government.

Hindustan Times

We will win 180+ seats: DMK

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

CHENNAI: All three major players in the Tamil Nadu assembly polls — arch-rivals DMK and AIADMK, and actor-politician Vijay-led TVK — on Wednesday exuded confidence of forming the next government even as several exit polls projected a return of the DMK-led government in the southern state.

The DMK said it will win over 180 seats in the 234-member assembly, the AIADMK said people have already "decided" on the change of government, while the TVK claimed Vijay will become the next chief minister. Several pollsters, including Peoples Pulse and Matrize predicted a DMK win, two exit polls — Axis My India and Kamakhya Analytics — forecast a hung assembly while JVC predicted an AIADMK win.

(From left) MK Stalin; Edappadi K Palaniswami; and Vijay

TAMIL NADU

"In every exit polls, we are winning and this is a conservative estimate. We will win 180 plus seats," DMK spokesperson Saravanan Annadurai said in a social media post.

The AIADMK, however, said people have already "decided" on the change of government in the April 23 assembly polls. "There is no confusion as people have already decided," party leader RM Babu Murugavel was quoted as saying by PTI. "We are very confident."

TVK spokesperson Radhan Pandit rejected exit polls. "We are just ignoring these exit polls. I am sure we are going to sweep this election by above 170 or above 140," Pandit was quoted as saying by ANI. "Our Vijay will become the chief minister extraordinarily."

Hindustan Times

Sporadic clashes, EVM tampering reported

HT Correspondent

letters@hindustantimes.com

KOLKATA: The Election Commission of India (ECI) on Wednesday sought a report from poll authorities in South 24 Parganas after allegations surfaced that EVMs in multiple booths of Falta assembly constituency were tampered with during the second phase of the West Bengal assembly polls, while sporadic clashes and tension were reported from several constituencies.

The BJP demanded a repoll in Falta, alleging that TMC was behind the tampering.

"In several polling booths, the option to vote for the BJP has been blocked using a tape, effectively preventing voters from exercising their choice. This is the so-called 'Diamond Harbour Model,' the same template that helped Mamata Banerjee's nephew Abhishek Banerjee secure his Lok Sabha seat. We demand an immediate repoll in all affected booths in Falta where such incidents have occurred," BJP IT cell chief Amit Malviya wrote on X.

In his post, Malviya uploaded three videos in which the EVM of Part 170 (Harindanga High School) was purportedly seen to have been compromised. The authenticity of the videos could not be independently verified.

"The BJP knows that it is going to lose in Falta assembly by around two lakh votes and hence they are trying to find an exit route..." said TMC spokesperson Arup Chakraborty.

West Bengal CEO Manoj Agarwal said a repoll will be ordered only after the authorities get reports on allegations of tampering with EVMs using tapes or blot of ink. "We will review the complaints regarding the fixing of black or white tapes on EVMs and then consider whether repolling is required or not," Agarwal said.

Meanwhile, tension flared in Bhabanipur. Tension escalated when some BJP supporters raised "Joy Shree Ram" slogans on seeing Adhikari. TMC supporters responded with "Joy Bangla" slogans.

Chief minister Mamata Banerjee alleged atrocities by the police on TMC leaders and workers. "Police officers from other states have been posted as police observers in West Bengal. They resorted to atrocities last night targeting our leaders and workers."

Hindustan Times

EC to retain 700 CAPF companies till further orders

Prawesh Lama
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI: The Election Commission of India (ECI) has decided to retain around 700 companies of Central Armed Police Forces (CAPF) in West Bengal until further orders, officials said on Wednesday, even as the ruling Trinamool Congress (TMC) criticised the massive deployment of central forces personnel for the assembly polls in the eastern state.

Polling for the two-phased elections in West Bengal concluded on Wednesday. The results will be announced on May 4.

"After completion of poll today, 700 companies of CAPF shall continue to remain deployed in the state for security arrangements and law and order duties, till further orders," an ECI official said.

TMC MP Mahua Moitra shared on X an unverified internal circular claiming that the forces were being removed post polls and that orders were already issued, CRPF director general GP Singh said in a post on X: "As mentioned earlier, 500 companies of the CAPFs would stay in West Bengal after the polling till further orders."

Of the 500 CAPF companies to be retained, 200 will be of CRPF, 150 BSF, 50 CISF, 50 ITBP and 50 SSB, Singh said, citing a March 19 order. Each CAPF company comprises 100-120 security personnel.

For the two-phased assembly polls in West Bengal, EC had deployed a significantly higher number of CAPF companies — 2,550 in total — nearly three times the 845 companies sent during the 2021 assembly polls, which were held in eight phases, and the 800 companies in 2016 assembly polls, which were held in six phases.

For the first time, the forces had also brought armoured bullet-proof vehicles by road from Chhattisgarh and Jammu and Kashmir.

In another first, CAPFs had opened a control room in the state to monitor social media contents and relay information to quick action teams.

However, an officer, requesting anonymity, said: "The de-induction for the rest of the companies is starting from Thursday. The first batches of forces to return will be those who had come from J&K and Manipur. Many bullet-proof vehicles that the forces brought from J&K too

CAPF personnel and police disperse a mob at Ward No. 77 under Bhabanipur Assembly constituency on Wednesday. ANI

are being taken back while some will remain due to the law-and-order situation there."

The heightened security has been attributed to a history of poll-related violence in the eastern state, including fatalities reported during the previous assembly and panchayat elections.

There were at least 48 poll related deaths reported during the 2023 assembly polls, with both the ruling TMC and opposition BJP accusing each other for the violence.

On April 27, the last day of campaigning for the second-phase polls, Union minister Amit Shah had said that central forces would stay in the state for 60 days after the polls.

Speaking on the matter, retired IAS officer KBS Sidhu, who was a former special chief secretary in Punjab, said: "Post election, the law and order becomes a state subject. CAPFs function under the administrative command of the DM or the SP. If the new government believes they have sufficient forces then the large number of forces stationed there won't have any independent authority. They will be confined to their barracks with no work. CAPFs are always brought to aid the civil authority."

Former CEC SY Quraishi said: "The MHA and EC always consider the law-and-order situation before deciding to retain such a large force post polls. ECI is legally right to decide to keep the forces until a review later by whoever is in charge. In my opinion, even after results day or the formation of a new government, the state government cannot and should not withdraw the force immediately without any valid reason," he added.

Hindustan Times

Record 92.59% turnout closes polls

Tanmay Chatterjee and Harsh Yadav
letters@hindustantimes.com

KOLKATA/NEW DELHI: West Bengal recorded a historic voter turnout in 2026 assembly elections fuelled by large deletions under the special intensive revision (SIR), with women leading participation and several Kolkata seats witnessing unusually high polling in the second and final phase on Wednesday.

According to Election Commission of India (ECI) data, the overall voter turnout in the polls stood at 92.9% (till 11pm on April 29), including 92.59% in second phase on Wednesday. The first phase, held on April 23, saw voter turnout of 93.19%, according to EC.

Female voter turnout stood at a record 93.24% across both phases, surpassing male turnout of 91.74%. In Phase 1, female turnout was 94.10% compared to 92.34% among men. In Phase 2, women again outnumbered men with a turnout of 92.28% against 91.07%.

The second phase turnout of 92.59% is also the highest for these 142 assembly constituencies since at least 2011 assembly elections. In absolute terms, the turnout is around 63.3 million, also the highest in the state's history. In 2021, the absolute turnout was 59.9 million.

The second phase turnout is also the highest for any major state in state or Lok Sabha elections. To be sure, West Bengal also held the previous record (before this election cycle). The 2011 state election in West Bengal recorded a 84.72% turnout, the highest for any major state. This was surpassed by Assam, where a special revision of rolls was held, in this election cycle, when it recorded 85.38% turnout, and has now been surpassed by West Bengal again.

Highest recorded polling

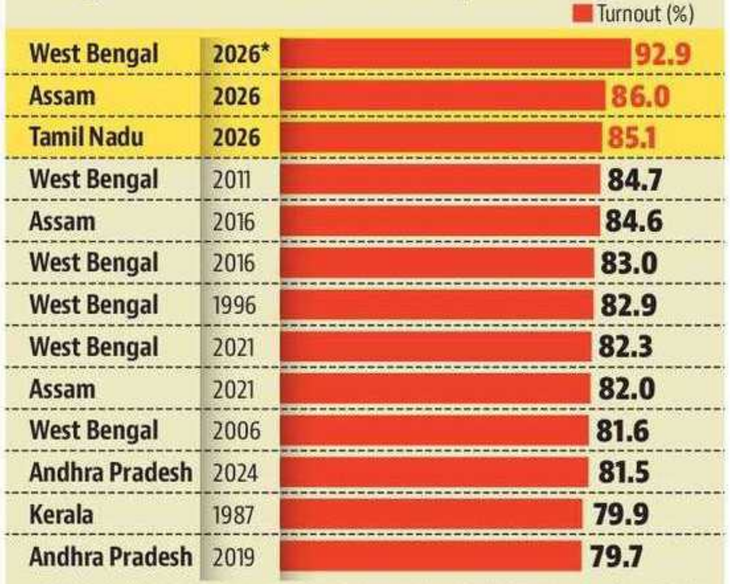

*Data as of 11 PM on April 29. Note: Data for states with 10 or more Lok Sabha seats. Historical turnout for states here is valid votes as % of electors. Source: ECI; TCPD-IED

Kolkata emerged as a key focus area in Phase 2, recording high polling percentages without reports of violence. Around 88% voter turnout was recorded across 11 assembly segments under the Kolkata Municipal Corporation till 8 pm. The Kolkata South Lok Sabha segment saw a turnout of 87.59%, while Kolkata North recorded 89.19%, both significantly higher than the 2024 Lok Sabha figures of 72.30% and 63.67%, respectively. Key constituencies such as Bhabanipur, where chief minister Mamata Banerjee is in the fray against Bharatiya Janata Party's Suvendu Adhikari, witnessed intense political contests. Turnout in Bhabanipur stood at 86.74%. In 2021, this was 61.79%. Around 50,000 people were deleted in the seat.

Other constituencies recorded similarly high participation, including Entally (91.89%), Beliaghata (90.52%) and Manicktala (90.05%).

In a first since coming to power, Banerjee toured her constituency for more than an hour on Wednesday."I have never seen this sort of an election. The BSF's duty is to secure the borders. But they are capturing booths in the districts. The media will soon start showing survey reports. Don't believe them. These are done under directions from BJP. We will win," she said before casting her vote late in the afternoon.

Adhikari, on the other hand, interpreted the record turnout as an indicator of his victory. "An 85% turnout means I am winning. If it crosses 90%, my margin will set a record," he said while touring Bhabanipur.

The high turnout was interpreted differently by political parties, with the TMC and BJP expressing confidence. "As per our internal assessment this is completely a vote of anger. The outsider vs Bengalis identity war was a main issue," said a TMC functionary. State BJP's chief spokesperson Debjit Sarkar said, "The massive turnout has made it clear that people want to bid farewell to the TMC government."

Sporadic clashes, EVM tampering reported

HT Correspondent
letters@hindustantimes.com

KOLKATA: The Election Commission of India (ECI) on Wednesday sought a report from poll authorities in South 24 Parganas after allegations surfaced that EVMs in multiple booths of Falta assembly constituency were tampered with during the second phase of the West Bengal assembly polls, while sporadic clashes and tension were reported from several constituencies.

The BJP demanded a repoll in Falta, alleging that TMC was behind the tampering.

"In several polling booths, the option to vote for the BJP has been blocked using a tape, effectively preventing voters from exercising their choice. This is the so-called 'Diamond Harbour Model,' the same template that helped Mamata Banerjee's nephew Abhishek Banerjee secure his Lok Sabha seat. We demand an immediate repoll in all affected booths in Falta where such incidents have occurred," BJP IT cell chief Amit Malviya wrote on X.

In his post, Malviya uploaded three videos in which the EVM of Part 170 (Harindanga High School) was purportedly seen to have been compromised. The authenticity of the videos could not be independently verified.

"The BJP knows that it is going to lose in Falta assembly by around two lakh votes and hence they are trying to find an exit route..." said TMC spokesperson Arup Chakraborty.

West Bengal CEO Manoj Agarwal said a repoll will be ordered only after the authorities get reports on allegations of tampering with EVMs using tapes or blot of ink. "We will review the complaints regarding the fixing of black or white tapes on EVMs and then consider whether repolling is required or not," Agarwal said.

Meanwhile, tension flared in Bhabanipur. Tension escalated when some BJP supporters raised "Joy Shree Ram" slogans on seeing Adhikari. TMC supporters responded with "Joy Bangla" slogans.

Chief minister Mamata Banerjee alleged atrocities by the police on TMC leaders and workers. "Police officers from other states have been posted as police observers in West Bengal. They resorted to atrocities last night targeting our leaders and workers."

Dhrubo Jyoti
letters@hindustantimes.com

BENGAL
294 Total seats
148 Majority mark

			Pulse		Strategies
TMC	118-138	125-140	177-187	131-152	130-140
BJP	150-175	146-161	95-110	138-159	150-160
OTHERS	2-6	6-10	2-6	2-4	6-10

TAMIL NADU
234 Total seats
118 Majority mark

	Axis My India	P-Marq	Matrize	People's Pulse	JVC
DMK-CONG	92-110	125-145	122-132	125-145	75-95
AIADMK-BJP	22-32	65-85	87-100	65-80	128-147
TVK	98-120	16-26	10-12	18-24	8-15
OTHERS	0	1-6	0-6	2-6	0

KERALA
140 Total seats
71 Majority mark

	Axis My India	P-Marq	Matrize	Manorama News-CVoter	JVC
UDF	78-90	71-79	70-75	82-94	72-84
LDF	49-62	62-69	60-65	44-56	52-61
OTHERS	0-3	1-4	5-9	1-3	3-7

ASSAM
126 Total seats
64 Majority mark

	Axis My India	P-Marq	Matrize	JVC	Chanakya Strategies
BJP+	88-100	82-94	85-95	88-101	88-98
CONG+	24-36	30-40	25-32	22-33	22-32
OTHERS	0-3	1-5	6-12	2-5	3-5

Sums may not equal assembly size, ranges are projections

NEW DELHI : The Bharatiya Janata Party (BJP) is headed for a historic victory in West Bengal and a third consecutive term in Assam, the Congress-led United Democratic Front is set to win power in Kerala, and the Dravida Munnetra Kazhagam (DMK) might beat anti-incumbency and retain Tamil Nadu, a clutch of exit polls predicted on Wednesday.

In West Bengal, the largest and most important of the five regions that went to the polls in this cycle, a majority of exit polls forecast that the BJP will achieve a slender majority in the 294-member assembly, beating the Trinamool Congress (TMC). But two major agencies did not put out their predictions for the eastern state where turnouts broke previous records, fuelled by large-scale deletions under the special intensive revision (SIR).

In Tamil Nadu, all but one exit poll predicted that the DMK-led alliance might achieve a majority in the 234-member assembly. AxisMyIndia predicted that actor-turned-politician Vijay could pip both Dravidian majors and end up as the single-largest party – even get a majority – in what could be Tamil Nadu's first genuinely three-cornered contest in a generation, with the complete collapse of the All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam (AIADMK).

In Puducherry, all exit polls predicted that the National Democratic Alliance was set for victory.

The votes will be counted on Monday.

To be sure, exit polls are not always accurate and have often got the verdict wrong in earlier elections, especially when diverse populations, castes and communities are at play. In 2021, most exit polls put out

continued on →15

Hindustan Times

Exit polls predict BJP edge in Bengal, DMK to keep TN hold

All agencies forecast victory for UDF in Kerala; one gives TVK surprise TN win

Dhrubo Jyoti
letters@hindustantimes.com

NEW DELHI : The Bharatiya Janata Party (BJP) is headed for a historic victory in West Bengal and a third consecutive term in Assam, the Congress-led United Democratic Front is set to win power in Kerala, and the Dravida Munnetra Kazhagam (DMK) might beat anti-incumbency and retain Tamil Nadu, a clutch of exit polls predicted on Wednesday.

In West Bengal, the largest and most important of the five regions that went to the polls in this cycle, a majority of exit polls forecast that the BJP will achieve a slender majority in the 294-member assembly, beating the Trinamool Congress (TMC). But two major agencies did not put out their predictions for the eastern state where turnouts broke previous records, fuelled by large-scale deletions under the special intensive revision (SIR).

In Tamil Nadu, all but one exit poll predicted that the DMK-led alliance might achieve a majority in the 234-member assembly. AxisMyIndia predicted that actor-turned-politician Vijay could pip both Dravidian majors and end up as the single-largest party – even get a majority – in what could be Tamil Nadu's first genuinely three-cornered contest in a generation, with the complete collapse of the All India Anna Dravida Munnetra Kazhagam (AIADMK).

In Puducherry, all exit polls predicted that the National Democratic Alliance was set for victory.

The votes will be counted on Monday.

To be sure, exit polls are not always accurate and have often got the verdict wrong in earlier elections, especially when diverse populations, castes and communities are at play. In 2021, most exit polls put out

continued on →15

WHAT THE EXIT POLLS PREDICT

WEST BENGAL — 294 Total seats; 148 Majority mark

	P-Marq	Matrize	People's Pulse	JVC	Chanakya Strategies
TMC	118-138	125-140	177-187	131-152	130-140
BJP	150-175	146-161	95-110	138-159	150-160
OTHERS	2-6	6-10	2-6	2-4	6-10

TAMIL NADU — 234 Total seats; 118 Majority mark

	Axis My India	P-Marq	Matrize	People's Pulse	JVC
DMK-CONG	92-110	125-145	122-132	125-145	75-95
AIADMK-BJP	22-32	65-85	87-100	65-80	128-147
TVK	98-120	16-26	10-12	18-24	8-15
OTHERS	0	1-6	0-6	2-6	0

KERALA — 140 Total seats; 71 Majority mark

	Axis My India	P-Marq	Matrize	Manorama News-CVoter	JVC
UDF	78-90	71-79	70-75	82-94	72-84
LDF	49-62	62-69	60-65	44-56	52-61
OTHERS	0-3	1-4	5-9	1-3	3-7

ASSAM — 126 Total seats; 64 Majority mark

	Axis My India	P-Marq	Matrize	JVC	Chanakya Strategies
BJP+	88-100	82-94	85-95	88-101	88-98
CONG+	24-36	30-40	25-32	22-33	22-32
OTHERS	0-3	1-5	6-12	2-5	3-5

Sums may not equal assembly size, ranges are projections

BENGAL RECORDS HIGHEST EVER TURNOUT OF 93% ACROSS 2 PHASES

Tanmay Chatterjee and Harsh Yadav
letters@hindustantimes.com

KOLKATA/NEW DELHI: West Bengal recorded a historic turnout in the 2026 assembly elections, with overall polling touching 92.9% till late Tuesday night, according to Election Commission data. Phase 1, held on April 23, saw turnout of 93.19%, while the second and final phase on Wednesday recorded 92.59%.

The turnout marks the highest in West Bengal's history in absolute terms, with around 63.2 million votes cast compared with 59.6 million in 2021. It also surpassed the previous high of 84.72% recorded in the 2011 assembly polls.

Kolkata emerged as a key focus area in Phase 2, registering heavy polling without reports of violence.

Around 88% turnout was recorded across 11 assembly segments under the Kolkata Municipal Corporation. Kolkata South saw turnout of 87.59%, while Kolkata North recorded 89.19%.

Bhabanipur, where Mamata Banerjee is contesting against Suvendu Adhikari, recorded 86.74% polling, up from 61.79% in 2021.

→P8

FIRST INDIA

30 April 2026

Bengal votes, verdict awaits as TMC supremo faces BJP's challenger in crucial final phase

Will defeat Mamata Banerjee by more than 20,000 votes: Suvendu Adhikari

BJP candidate Suvendu Adhikari, visits a polling station in his constituency during the second and final phase of the state Assembly elections, in Kolkata, on Wednesday. PTI

First India Bureau
Bhabanipur

After exit polls predicted a clear majority for the BJP in West Bengal, Suvendu Adhikari on Wednesday said he will defeat Mamata Banerjee by more than 20,000 votes. BJP candidate Adhikari said that Hindu voters voted openly for the first time and he hoped they voted for change.

"Mamata spent the entire day trying to intimidate the central forces. She attempted to intervene in the Gujarati-Marwari voting area with goons. I will win Bhawanipur by over 20,000 votes. I will lead in 7 of the 8 wards, and Mamata will lead in one. The BJP will win in more than 180 seats. It will remain above that. A BJP government will be formed," he said.

After voting, Mamata alleged "atrocities" and "capture" of polling booths by central police forces, while, BJP's Adhikari, chanted the religio-political slogans "Jai Sri Ram" and "Hindu-Hindu, bhai-bhai".

West Bengal CM and TMC candidate Mamata Banerjee, visits a polling station in Bhabanipur, in Kolkata, Wednesday. PTI

> We will, of course, retain Puducherry and Assam, but we will also form governments in West Bengal and Tamil Nadu. We'll increase our vote share and have more seats or open our account in Kerala in a bigger way in this election.
> —PIYUSH GOYAL, UNION MINISTER

> We will review the complaints of fixing of black or white tapes on EVMs and then consider whether repolling is required or not. If a large number of booths in any constituency report such instances, then repolling may be conducted.
> —MANOJ AGARWAL, WEST BENGAL CHIEF ELECTORAL OFFICER

> What is happening is not at all free and fair polls. Central forces are supposed to guard the country's borders, but instead they are working for a particular party. Never seen this type of democracy. It is brutalising the democracy.
> —MAMATA BANERJEE, WEST BENGAL CHIEF MINISTER

VIOLENCE SHOWS TMC'S 'GOONISM': MALIWAL

BJP Rajya Sabha MP Swati Maliwal on Wednesday launched a sharp attack on the Trinamool Congress (TMC) over alleged violence during the elections. Accusing the ruling TMC of fostering a culture of intimidation, she added, "Because of this TMC's goonism that is seen on the ground, the BJP is coming to power in Bengal."

PEOPLE WILL THROW OUT TMC: RAPE VICTIM'S MUM

RG Kar rape victim's mother and BJP candidate from Panihati, Ratna Debnath, said on Wednesday that people will uproot and throw out the ruling Trinamool Congress when the election results are announced on May 4. She also said that our female Chief Minister Mamata Banerjee herself insults women. Women's safety is the top priority everywhere.

MAJOR HIGHLIGHTS ON BENGAL POLLS

- TMC MPs allege central forces baton-charged civilians outside polling booth in Bengal
- RG Kar rape-murder victim's mother faces TMC protests for 'influencing voters' in booth, says women's safety top priority and people will throw out TMC
- Bengal poll battle turns volatile in Hooghly: Voter lists torn, booth camps vandalised, central forces driven away
- Parallel central force structure in Bengal, officials under pressure: Akhilesh Yadav
- Farooq Abdullah criticises EC's handling of WB polls; asks are Bengalis not trusted
- Reports of bomb at poll booth in Purba Bardhaman; NIA team on spot
- Women voters assaulted in Bhabanipur constituency: Mamata
- TMC workers surround Suvendu, BJP candidate's car vandalized

PUBLIC WILL NOT FORGIVE TMC: ANURAG THAKUR

Bhubaneswar: BJP MP Anurag Thakur on Wednesday slammed Trinamool Congress for alleged misrule in West Bengal, asserting that the public has "overwhelmingly" supported the BJP in the assembly elections. Speaking with the media, Thakur accused TMC of creating "Jungle Raj" in West Bengal, adding that the public wants change. "The public will not forgive them (TMC) for their misrule; they don't want Jungle Raj, illegal infiltration, atrocities against women and unemployment...People have voted overwhelmingly in support of the BJP," he said. His remarks come as the final phase of polling for the high-octane West Bengal assembly elections concluded at 6 PM on Wednesday, with voter turnout hitting remarkable numbers.

FROM SETS TO BOOTHS, STAR-STUDDED VOTING IN PHASE 2

Mithun Chakraborty

Nusrat Jahan

Raima Sen

Saayoni Ghosh

Mahua Moitra

Sourav Ganguly

Mimi Chakraborty

Rachna Banerjee

Subhashree Ganguly

Sohini Sarkar

Darshana Banik

Koel Mallick

FIRST INDIA

30 April 2026

BJP POISED FOR POWER IN WB!

- Six of the seven exit polls indicate BJP is set to form government in West Bengal
- 77 EVM tampering cases have been reported, repoll likely before May 2: CEO
- Reports indicate voter lists torn, central forces ousted, booth camps vandalised

Moni Sharma

Kolkata/New Delhi

Several exit polls on Wednesday predicted a dominant performance for the Bharatiya Janata Party (BJP) in Assam, a fierce challenge to the ruling Trinamool Congress (TMC) in West Bengal, a rise to power for Opposition alliances in Kerala & Tamil Nadu.

Following the conclusion of voting across 294 seats in Bengal, various polling agencies released data indicating that the BJP is likely to secure a second consecutive term in Assam and potentially unseat or significantly challenge Mamata Banerjee's government in West Bengal. In Southern India, projections point toward a return of the DMK-led alliance in Tamil Nadu and a comeback for the Congress-led United Democratic Front (UDF) in Kerala.

Meanwhile, amidst isolated incidents of unrest and violence, Bengal records 92.47% voter turnout in 2-phase elections, highest since Independence. In the second phase, polling was held in 142 seats spread across seven districts in south Bengal. The highest polling rates were recorded in the rural-dominated areas of Purba Bardhaman (93.39%). P5

WB CM & TMC candidate from Bhabanipur, Mamata Banerjee flashes a victory sign.

A security personnel assists an elderly woman during voting in 2nd and final phase of the West Bengal Assembly elections, at a polling station in Howrah, on Wednesday.

92.47% Total voting percentage

VOTING: **93.19%** Phase-1 | **91.66%** Phase-2

ASSEMBLY ELECTION EXIT POLL 2026

WEST BENGAL — Seats: 294 | Target: 148

Source	BJP	TMC	OTHERS
Chanakya	150-160	130-140	6-9
Matrize	146-161	125-140	6-10
PMARQ	150-175	118-138	2-6
Peoples Pulse	95-110	178-187	2-3
JVC	138-159	131-152	0-2
Praja poll	178-208	85-110	0
Poll Diary	142-171	99-127	5-9

TMC CLAIMS MAN DIED IN CRPF ASSAULT AMID POLL VIOLENCE AND EVM ALLEGATIONS

Amid intense polling for the West Bengal Assembly Elections 2026, an alleged case of assault has surfaced, as claimed by the Trinamool Congress (TMC). An 81-year-old man reportedly died in West Bengal's Howrah district on Wednesday after being assaulted by personnel of the Central Reserve Police Force (CRPF). Meanwhile, voting was stopped in few booths in Falta in Diamond Harbour after BJP claimed voting machines had been tampered with by TMC. BJP alleged that its button on EVM was taped in several booths. Re-poll expected under tighter security and enhanced deployment to ensure intimidation-free voting. 77 cases of EVM tampering reported in WB; re-polling likely before May 2, said CEO MK Agarwal.

ASSEMBLY ELECTION EXIT POLL 2026

ASSAM — Seats: 126 | Target: 64

Source	NDA	CONGRESS	OTHERS
Chanakya	88-98	22-32	3-5
Axis My India	88-100	24-36	0-3
Matrize	85-95	25-32	6-12
PMARQ	82-94	30-40	1-5
JVC	88-101	23-33	2-5

KERALAM — Seats: 140 | Target: 71

Source	UDF	LDF	NDA
Axis My India	78-90	49-62	0-3
Matrize	70-75	60-65	2-4
PMARQ	71-79	62-69	3
JVC	72-84	52-61	3-7
Peoples Pulse	75-85	55-65	3

TAMIL NADU — Seats: 234 | Target: 118

Source	DMK	ADMK	TVK
Axis My India	92-110	22-32	98-102
Matrize	122-132	87-100	10-12
PMARQ	125-145	65-85	16-26
JVC	75-95	128-147	8-15
Peoples Pulse	125-145	65-80	18-24

PUDUCHERRY — Seats: 30 | Target: 16

Source	NDA	SPA	OTHERS
Axis My India	16-20	6-8	2-7
JVC	15-17	11-13	1-3
Peoples Pulse	16-19	10-12	1-2
Kamakhya Analytics	17-24	4-7	1-2
Praja poll	19-25	6-10	0

EXIT POLLS ARE NOT ALWAYS ACCURATE

Exit polls predict a BJP win in Assam and WB, while projecting DMK's return in TN and UDF comeback in Kerala after 10 years. Some also suggest a hung TN Assembly. Most pollsters also forecast return of AINRC-led NDA in Puducherry.

STIR IN RAJASTHAN OVER UPCOMING RS ELECTIONS

Political activity has intensified in Rajasthan regarding the upcoming Rajya Sabha elections, likely to be held in June for three seats. Speculation that the BJP may field a woman candidate for one seat has increased internal movement. Women leaders have stepped up lobbying, with frequent visits between Delhi and Jaipur. Several prominent names have already staked their claim and are forwarding their profiles to the leadership.